शिक्षक पोर्टल एवं नवाचार समूह
मध्यप्रदेश

प्रदेश के स्कूलों में एक से 31 मई तक आनलाइन कक्षाएं बंद, आदेश जारी

भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। प्रदेश के स्कूलों में दसवीं व बारहवीं को छोड़कर अन्य कक्षाओं में अब एक से 31 मई तक आनलाइन कक्षाएं भी बंद रहेंगी। प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबद्ध सरकारी व निजी के साथ ही सीबीएसई और आइसीएसई बोर्ड के स्कूलों में यह आदेश लागू होगा। सभी स्कूलों में पहली से आठवीं, नौवीं व ग्यारहवीं की कक्षाओं में आनलाइन कक्षाओं को निरस्त किया गया है। हालांकि दसवीं व बारहवीं की कक्षाएं बोर्ड परीक्षा की वजह से संचालित होंगी। इस सबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने मंगलवार को आदेश जारी किए हैं।

एंकर स्टोरी — स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किए आदेश, दसवीं-बारहवीं की क्लास पर नहीं होगा लागू

बच्चों में बढ़ रहा मानसिक तनाव, ऑनलाइन क्लास पर लगाया प्रतिबंध

भोपाल (शप्र)। बच्चों के बढ़ रहे मानसिक तनाव को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने आनलाइन क्लास पर प्रतिबंध लगा दिया है। आयुक्त लोक शिक्षण जयश्री कियावत ने मंगलवार को इसके आदेश जारी कर दिए हैं। यह आदेश एमपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई समेत सभी बोर्ड के स्कूलों पर लागू होगा। आनलाइन कक्षाएं आगामी 1 मई से 31 मई तक नहीं चलेंगी। हालांकि दसवीं-बारहवीं की कक्षाएं आनलाइन पूर्व की तरह संचालित की जाएंगी। कोरोना के चलते बीते एक साल से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित चल रही है। इसे देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने पिछले साल 30 जुलाई 2020 से आनलाइन क्लास शुरू की थी। प्रायवेट समेत सरकारी स्कूलों द्वारा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को आनलाइन कक्षाओं से ही पढ़ाया जा रहा था। प्रायवेट स्कूलों ने पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों की परीक्षा भी आनलाइन ही ली। इसके बाद रिजल्ट भी घोषित कर दिए गए हैं। साथ ही अप्रैल के पहले सप्ताह से आनलाइन कक्षाओं के माध्यम से ही नवीन शैक्षणिक सत्र की शुरुआत कर दी। मंगलवार को आयुक्त लोक शिक्षण जयश्री कियावत ने आदेश जारी कर कहा है कि कोविड 19 संक्रमण विस्तार के कारण विद्यार्थियों में भय एवं तनाव की स्थिति निर्मित हो रही है। इसे देखते हुए सभी बोर्ड के स्कूलों में आनलाइन कक्षाएं आगामी 1 मई से 31 मई तक संचालित नहीं की जाएंगी। हालांकि बोर्ड की परीक्षा के कारण दसवीं-बारहवीं की आनलाइन कक्षाएं पूर्व की तरह संचालित होती रहेंगी।

स्कूलों ने आनलाइन क्लास बंद करने के भेजे मैसेज : स्कूल शिक्षा विभाग के आनलाइन कक्षाओं के आदेश जारी होते ही कई सीबीएसई स्कूलों द्वारा बच्चों को मैसेज भेजकर कल बुधवार से ही आनलाइन क्लास बंद करने के लिए कह दिया है। अब आनलाइन कक्षाओं को लेकर 31 मई के बाद निर्णय लिया जाएगा।

10वीं और 12वीं को छोड़कर अन्य कक्षाओं की ऑनलाइन क्लासेज 31 मई तक बंद

कार्यालय प्रतिनिधि, भोपाल। मध्यप्रदेश में बढ़ते कोरोना संक्रमण के मद्देनजर सरकार ने 10वीं और 12वीं को छोड़कर सभी कक्षाओं की ऑनलाइन क्लासेज एक महीने के लिए निरस्त कर दी है। अब कक्षा एक से लेकर 9वीं और 11वीं के विद्यार्थी एक से 31 मई तक ऑनलाइन क्लास में नहीं पढ़ पाएंगे। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने मंगलवार को आदेश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है, वर्तमान में कोरोना संक्रमण लगातार फैलने के कारण स्टूडेंट में भय व तनाव की स्थिति बन रही है। ऐसे में कक्षाओं से तनाव और ज्यादा बढ़ेगा। इस कारण 10वीं और 12वीं बोर्ड को छोड़कर अन्य कक्षाओं की ऑनलाइन कक्षाएं 1 मई से 31 मई 2021 तक के लिए निरस्त की जा रही है। यह आदेश प्रदेश के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों (सीबीएसई, आईसीएसई, एमपी बोर्ड या अन्य किसी बोर्ड से संबद्ध) में लागू होगा।

यह भी एक कारण: कई घरों में माता-पिता कोविड पॉजिटिव हैं। वे क्वारंटाइन हैं। अधिकतर बच्चे अपने माता-पिता के मोबाइल का उपयोग ऑनलाइन क्लास में करते हैं। ऐसे में यह भी संभव नहीं था। इससे भी घर में ही संक्रमण फैलने का डर था।

कोरोना: एनएलआईयू की आनलाइन क्लासेस एक सप्ताह के लिए सस्पेंड

भोपाल। राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, अधिकारी और विद्यार्थियों को कोरोना संक्रमण ने अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। इसलिए एनएलआईयू में चलने वाले आनलाइन क्लासेस को एक सप्ताह के सस्पेंड कर दी गई है। अब एनएलआईयू तीन मई से आनलाइन क्लासेस लेकर विद्यार्थियों की पढ़ाई आगे बढ़ाएगा। कुलपति वी. विजय कुमार का कहना है कि एनएलआईयू के कुछ फैकल्टी मेंबर को कोरोना हो गया है। ऐसे में वे अवकाश की मांग कर रहे हैं। इसके कारण उन्हें स्वास्थ्य लाभ देने के लिए एक सप्ताह के लिए कक्षाएं स्थगित कर दी गई है। वहीं दूसरी तरफ विद्यार्थी अपने घरों में बने हुए हैं। इसके बाद भी वे कोरोना संक्रमण से बच नहीं सके हैं। यहां तक उनके परिवारिक सदस्य कोरोना का उपचार ले रहे हैं। कुछ विद्यार्थियों के परिवार के सदस्यों का निधन कोरोना संक्रमण से हुआ है। ऐसे में विद्यार्थियों आनलाइन क्लासेस में भागीदारी नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए एनएलआईयू ने सभी विद्यार्थियों की कक्षाएं निलंबित कर दी है।

कोरोना का साइड इफेक्ट | **कोरोना महामारी को लेकर पढ़ाई का सारा सिस्टम फेल**

असमंजस में छात्र, पालकों को ट्यूशन फीस का टेंशन

रायसेन। वैश्विक कोरोना महामारी को लेकरदूसरे साल भी पढ़ाई का सारा सिस्टम फेल हो गया है।सीबीएसई और माशिमं की10 वीं12वीं की बोर्ड परीक्षाएं रद्द हो जाने के बाद छात्र अपने भविष्य को लेकर बेहद चिंतित हैं।क्या एग्जाम होंगे अथवा नहीं। जनरल प्रमोशन के बाद प्रोफेशनल कोर्स को लेकर क्या क्राइटेरिया बनेगा।

ऑनलाइन क्लासेस बनीं महज औपचारिकता.....

स्कूलों में ऑनलाइन क्लासों को लेकर कई तरह की खामियां सामने आ रही हैं। 9वीं से12 वीं क्लासों तक के छात्रों के लिए अच्छे प्रभाव सामने आ रहे हैं।लेकिन नर्सरी और प्राइमरी स्कूल के बच्चों के लिए यह महज औपचारिकता बनकर रह गई है।नियमित शिक्षा सत्र के दौरान स्कूलों की प्रेयर से लेकर पढ़ाई और तमाम एक्टिविटीज से बच्चे दूर होते जा रहे हैं। ऑनलाइन क्लास में सिर्फ एक या दो विषयों को टीचर एक साथ सारे बच्चों को एक या दो चैप्टर ही पढ़ा पाते हैं।इसके बाद आगे की जवाबदारी उनके पैरेंट्स और स्टूडेंट की ही होती है। इन तमाम बातों को लेकर छात्र छात्राओं में असमंजस का माहौल बना हुआ है। वहीं प्रायमरी और मिडिल स्कूलों की पढ़ाई के भी बुरे हाल है। शहर सहित जिलेभर के छोटे बड़े प्राइवेट स्कूलों में ऑनलाइन क्लासें फिर से शुरूकर दी गई हैं। लेकिन सरकारी स्कूलों की क्लासों को शुरू करने के लिए सरकार ने अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।इधर एक बार फिर से स्कूलों की फीस के साथ निजी ट्यूशन फीस अभिभावकों पे फीस के लिए दबाव बन रहे निजी स्कूलों के संचालक एबीवीपी के जिला संयोजक शुभम उपाध्याय, एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष हर्ष वर्धन सोलंकी ने यह आरोप लगाया है कि रायसेन शहर में संचालित कई स्कूलों के संचालक द्वारा अभिभावकों पर ट्यूशन फीस को लेकर जमा कराने अभी से लगातार दबाव बनाया जा रहा है। जो कि सरासर गलत व अनुचित है।उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दूसरेस्टेन को लेकर रायसेन जिले में हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है।लोग एक बार फिर से आर्थिक तंगी की मार झेलने के लिए मजबूर हैं।ऐसे में सभी स्कूलों के संचालकों द्वारा ट्यूशन फीस वसूलना बिल्कुल गलत है। वास्तव में जिला प्रशासन को इस मामले में गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

हमने फिलहाल निजी स्कूलों और सीबीएसई स्कूल संचालकों को कोरोना महामारी संकट काल में आर्थिक इस मन्दी के दौर में अभिभावकों से ट्यूशन फीस नही वसूलने की हिदायत दी है।अगर कोई स्कूल संचालक अगर ट्यूशन फीस वसूलने के लिए दबाव बनाते है तो मुझे शिकायत कर सकते हैं।
आनंद शर्मा प्रभारी डीईओ रायसेन।

कोरोना कर्फ्यू की वजह से किताबों का बना टोटा

प्रायवेट स्कूलों में ऑनलाइन क्लासेस तो जैसे तैसे शुरू कर दी गई हैं।लेकिन जिलेभर में कोरोना कर्फ्यू लागू होने के कारण बुक डिपो और स्टेशनरी की पूरी दुकानें बंद है।ऐसे में कई दुकानों में किताबों का स्लॉट नहीं मिल पाने के कारण छात्रों को ऑनलाइन क्लासों में पढ़ाई में भारी दिक्कतें सामने आ रही हैं।

एक से 31 मई तक प्रदेश में नहीं चलेंगी ऑनलाइन क्लासेस

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए एक से 31 मई तक ऑनलाइन क्लास पर प्रतिबंध लगा दिया है। आयुक्त लोक शिक्षण जयश्री कियावत ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। यह आदेश एमपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई समेत सभी बोर्ड के स्कूलों पर लागू होगा। हालांकि 10वीं-12वीं की ऑनलाइन क्लास पहले की तरह चलेगी। इधर, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी होते ही कई सीबीएसई स्कूलों ने बच्चों को मैसेज भेजकर बुधवार से ही ऑनलाइन क्लास बंद करने के लिए कह दिया है।

10वीं के 28847 छात्र आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर प्रमोट होंगे!

माशिमं ने अभी आदेश जारी नहीं किया है

- सीबीएसई ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए अपने छात्रों को प्रमोट कर दिया है

पीपुल्स संवाददाता • ग्वालियर

editor@peoplessamachar.co.in

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने अपने छात्रों को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) की तर्ज पर कक्षा 10वीं के छात्रों को आंतरिक मूल्यांकन के अंकों के आधार पर कक्षा 11वीं में प्रमोट करने का निर्णय लिया है। ऐसा होने पर जिले के स्कूलों के 28847 छात्रों का लाभ होगा। अभिभावक भी कोरोना संक्रमण की स्थिति देखकर मंडल द्वारा परीक्षा नहीं कराने के निर्णय से खुश है। माशिमं की हाईस्कूल और हायरसेकंडरी की बोर्ड परीक्षा 30 अप्रैल और 1 मई से होना थीं, जिसे मंडल ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए एक महीने के लिए टाल दिया था। प्रदेश में जिस तरह से कोरोना के मरीज बढ़ रहे हैं, इसे लेकर ही मंडल ने सीबीएसई की तरह कक्षा 10वीं के छात्रों को आंतरिक मूल्यांकन के अंकों के आधार पर अगली कक्षा में प्रमोट करने का निर्णय लिया है, लेकिन इसे लेकर किसी प्रकार का आदेश जारी नहीं किया है, इसलिए भ्रम की स्थिति है।

प्राइवेट और गवर्मेंट स्कूलों की ऑनलाइन कक्षाएं 31 मई तक लिए निरस्त

लोक शिक्षण संचालनालय की आयुक्त जयश्री कियावत ने कक्षा 10वीं और 12वीं को छोड़कर बाकी की सभी कक्षाओं की ऑनलाइन कक्षाएं 31 मई तक निरस्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। आयुक्त ने आदेश में कहा है कि कोरोना के कारण छात्रों में भय व तनाव की स्थिति निर्मित हो रही है, इसलिए शासकीय और अशासकीय स्कूलों में ऑनलाइन कक्षाएं 1 से 31 मई तक संचालित नहीं होंगी। संचालनालय ने ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के लिए 30 जुलाई 20 को आदेश जारी किया था।

इनका कहना है

माशिमं के कक्षा 10वीं के छात्रों को सीबीएसई की तरह आंतरिक मूल्यांकन के अंकों के आधार पर कक्षा 11वीं में प्रमोट करने पर मंथन पर चल रहा है मगर अभी इस तरह के आदेश नहीं हुए हैं।

विकास जोशी, डीईओ

भास्कर

छात्रों को एंड पावर्टी संस्था ने उपलब्ध कराई 11 टेबल-कुर्सी

जिले के गांवों में लोगों के जीवन स्तर सुधारने का कार्य कर रही संस्था की टीम

गुना| प्राथमिक विद्यालय पिपरोदा केशराज विद्यालय में अब गांव के बच्चे भी टेबल-कुर्सी पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करेंगे व उनके जीवन स्तर में सुधार होगा। एंड पावर्टी संस्था के माध्यम से इन सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूलों जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही हैं। संस्था द्वारा विद्यालय को 11 टेबिल-कुर्सी उपलब्ध कराई गई।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार की कृष्णा परिहार, विनोद बुनकर, सुरेंद्र प्रजापति ने इस संस्था के पदाधिकारियों का आभार जताया। शिक्षक सुरेंद्र प्रजापति ने बताया की एंड पॉवर्टी 2009 में पंजीकृत एक नागरिक समाज संगठन है, जिसका उद्देश्य भारत में गरीबी कम करने की दिशा में योगदान करना है। देश भर में काम करने के आदेश के साथ, वर्तमान में, राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, मप्र, झारखंड और दिल्ली राज्यों में एंड पॉवर्टी काम कर रही है। ईपी का मुख्य लक्ष्य गरीब भूमिहीन किसान, छोटे और सीमांत किसान, पारंपरिक कारीगर, गरीब और जरूरतमंद महिलाएं, अशिक्षित बालिकाएं, बेरोजगार युवाओं को क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण देकर समर्थ बनाना है। जिले में संस्था द्वारा लगभग 15 गांवों पुरापोसर, हरिपुर, मुहालपुर, सिंगवासा, खेजरा आदि शामिल हैं।

शिक्षक संगठन करा रहा भोजन

पीपुल्स संवाददाता ● खरगोन
मो.नं. 94250-90106

जिला अस्पताल में उपचारत मरीजों ओर उनके परिवारए रिश्तेदारो की भोजन व्यवस्था का जिम्मा मंगलवार को शिक्षक संगठन ट्रायवल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने उठाया। जिलाध्यक्ष अतीक खान ने बताया कोरोना कर्फ्यू और लॉकडाउन के कारण सभी दुकानें और होटल बंद होने से मरिजों के परिजन दिनभर भुखे रहकर अस्पताल के बाहर अपनों के ठीक होने का इंतजार करते है। मरीज़ों ओर तीमारदारों को खाने.पीने की समस्या न हो इसलिए रोटरी क्लब के सहयोग एसोसिएशन ने मंगलवार को अस्पताल परिसर में कोविड नियमो का पालन करते हुए भोजन वितरण कराया। भोजन वितरण व्यवस्था में जिलाध्यक्ष अतीक खान, कार्यकारी जिलाध्यक्ष वंदना मोड़क, जिला उपाध्यक्ष नटवर पाटीदार, गोगावां ब्लॉक उपाध्यक्ष कमल मालसे आदि ने सेवा कार्य किया।

भास्कर

नवोदय ने फिर बढ़ाई प्रवेश परीक्षा की तिथि

सिटी रिपोर्टर | नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) ने एक बार फिर कक्षा 6वीं के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा की तिथि को बढ़ा दिया है। अब यह प्रवेश परीक्षा 19 जून को आयोजित की जाएगी। इससे पहले यह परीक्षा 16 मई को होनी थी। इस प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थी वेबसाइट navodaya.gov.in के जरिए नोटिफिकेशन चेक कर सकते हैं। नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए यह परीक्षा इससे पहले10 अप्रैल को होनी थी, जिसे बाद में 16 मई को आयोजित किया जाना था। जिसे बढ़ाकर अब 19 जून को आयोजित किया जाएगा। यह प्रवेश परीक्षा का दूसरा चरण है। इसके माध्यम से देशभर में 626 नवोदय विद्यालय की 48,000 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

सांची विश्वविद्यालय ने प्रवेश परीक्षा की तिथि 30 तक बढ़ाई

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय से पीएचडी करने के लिए प्रवेश परीक्षा के फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख में चार दिन बढ़ा दी गई है। अब विद्यार्थी 30 अप्रैल तक आवेदन कर पाएंगे।

पूर्व में अंतिम तिथि 26 अप्रैल रखी गई थी और 28 अप्रैल को योग्य उम्मीदवारों की सूची जारी करनी थी, लेकिन अब तीन मई को सूची की जाएगी। अभी तक विवि को 80 आवेदन मिल चुके हैं। इसमें से 12 फीसदी आवेदन दूसरे देशों के हैं। इसमें पांच श्रीलंका, दो म्यानमार और एक-एक आवेदन स्वीडन, वियतनाम और न्यूजीलैंड का है। विवि बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, भारतीय शिक्षा एवं समग्र विकास, योग, भारतीय चित्रकला, हिन्दी, अंग्रेजी और चीनी भाषा में पीएचडी करा रहा है।

फीस न भर पाने पर छात्र को क्लास से वंचित नहीं कर सकेंगे स्कूल : कलकत्ता हाई कोर्ट

कोलकाता (ब्यूरो)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने निर्देश दिया है कि कोरोना काल में आर्थिक संकट से जूझ रहे अभिभावक स्कूल फीस का भुगतान करने में असमर्थ पाए जाते हैं तो स्कूल प्रबंधन छात्र को फिजिकल या ऑनलाइन क्लास से वंचित नहीं कर सकेगा। सोमवार को स्कूल फीस से संबंधित एक मामले की अंतरिम सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने यह निर्देश दिया। हालांकि, उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि इस आदेश का किसी भी तरह से दुरुपयोग न हो।

नियमित, पूरक व भूतपूर्व छात्रों को करना होगा आवेदन

स्नातक प्रथम वर्ष के परीक्षा के फार्म भरने की तिथि घोषित

स्टार समाचार | रीवा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातक के नियमित, पूरक एवं भूतपूर्व छात्र-छात्राओं के लिए वार्षिक पद्धति के आधार पर परीक्षा के अंतर्गत वेब पोर्टल के माध्यम से आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की तिथि में आंशिक संशोधन कर दिया गया है। अब संबंधित परीक्षार्थी 5 मई तक निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन कर सकेंगे।

वहां गौरतलब बात यह है कि न केवल रीवा बल्कि समूचे प्रदेश में कोरोना महामारी के बीच लॉक डाउन व कोरोना कर्फ्यू चल रहा है ऐसी स्थिति में ऑनलाइन संस्थान भी बंद हैं। लिहाजा वार्षिक परीक्षा के आवेदन को लेकर छात्र-छात्राओं में असमंजस बना हुआ था। इस संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा निर्णय लेते हुए इसी अवधि को 6 अप्रैल से बढ़ाकर 5 मई तक निर्धारित कर दिया गया है।

ये होंगे पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार वार्षिक पद्धति परीक्षा 2020-21 के तहत स्नातक के समस्त बीए, बीएससी, बीकाम, बीएचएससी, बीबीए, बीएसडब्ल्यू, बीकाम आनर्स, बीलिब साइंस, बीएलबीडी, डीएड के पाठ्यक्रम में स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया है। जिसमें नियमित के अलावा पूरक व भूतपूर्व छात्र हिस्सा ले सकेंगे।

आवेदन तिथि व शुल्क

विश्वविद्यालय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत वार्षिक पद्धति के स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा के आवेदन व उसके शुल्क के संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसकी जानकारी विश्वविद्यालय के वेब पोर्टल से लेते हुए इसी पोर्टल के माध्यम से आवेदन पत्र जमा करने होंगे। जिसमें पूर्व निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन की तिथि 5 मई रखी गई है। जबकि 6 मई से 10 मई तक 350 रुपए के विलम्ब शुल्क के साथ परीक्षा आवेदन फार्म स्वीकार किए जाएंगे।

विशेष विलंब शुल्क 3 हजार

परीक्षा को लेकर जहां विलंब शुल्क की तिथि 10 मई रखी गई है तो वहीं दूसरी तरफ विशेष विलम्ब शुल्क 3 हजार रुपए रखा गया है। जिसके तहत अभ्यर्थी 11 मई से परीक्षा शुरू होने के तीन दिन पहले तक संबंधित विषय पर परीक्षा के लिए आवेदन पत्र भर सकते हैं।

भी की गई।

हिंदी विवि : आठ साल में बढ़ाए सिर्फ नौ सहायक प्राध्यापकों के पद

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। अटल विहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में आठ साल बाद सहायक प्राध्यापकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। विवि ने बीते दिनों 18 सहायक प्राध्यापकों की भर्ती करने के लिए रोस्टर जारी किया है। हालांकि विवि ने छह प्रोफेसर और तीन सहायक प्राध्यापकों के पदों को सहायक प्राध्यापक में परिवर्तित करा लिया है, क्योंकि 2013 में जारी किए गए विज्ञापन में नौ ही सहायक प्राध्यापक दर्शाए गए थे, जो बढ़कर अब 18 हो गए हैं। दरअसल, विवि में भर्ती के लिए 2013 में पहली बार विज्ञापन जारी किया था, तब सहायक प्राध्यापकों के नौ पद थे लेकिन उस समय भर्ती नहीं हो पाई थी। इसके बाद आठ साल से इन पदों पर भर्ती अटकी हुई थी। रोस्टर जारी कर रजिस्ट्रार ने आपत्ति दर्ज कराने के लिए 21 दिनों का समय दिया है। उम्मीदवार रजिस्ट्रार के नाम से डाक के माध्यम से आपत्तियां भेज सकते हैं। अंतिम तिथि बीतने के बाद विवि आपत्तियां स्वीकृत नहीं करेगा। हालांकि रोस्टर जारी किए सात दिन बीत चुके हैं और अब तक विवि में एक भी आपत्ति नहीं आई है।

इन पदों पर इन होगी भर्ती: अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, इतिहास एवं प्राचीन भारतीय इतिहास, कृषि विज्ञान, पत्रकारिता एवं संचार, प्रबंधन एवं वाणिज्य, भारतीय दर्शन एवं ज्ञान परंपरा, भौतिक शास्त्र, योग एवं मानव चेतना, रसायन, वनस्पति, विधि, समाजशास्त्र एवं समाजकार्य, संगणक, हिंदी भाषा एवं अनुवाद, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन तथा प्राणी शास्त्र के एक-एक पद पर भर्ती होगी।

मंडल दसवीं बोर्ड परीक्षा कराने को लेकर विभिन्न विकल्पों पर कर रहा विचार

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) ने दसवीं व बारहवीं बोर्ड परीक्षा के संबंध में सोमवार देर रात आदेश जारी किया। आदेश में लिखा है कि परीक्षा एक माह के लिए स्थगित की गई थी। अब दसवीं की परीक्षा के संबंध में विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। मंडल के परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि कक्षा दसवीं और बारहवीं की परीक्षाओं के संबंध में निर्णय लेकर शीघ्र ही अवगत कराया जाएगा।

दरअसल, ये परीक्षाएं 30 अप्रैल एवं एक मई से प्रारंभ होना थीं। प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रभाव के कारण परीक्षाओं को जून में कराने का निर्णय लिया गया। इस साल दोनों परीक्षाओं में प्रदेश भर से करीब 19 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। वहीं स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार ने सोमवार को कहा था कि 12वीं की परीक्षा अवश्य ली जाएंगी, लेकिन दसवीं परीक्षा के संबंध में एक-दो दिन में निर्णय लिया जाएगा। दसवीं की परीक्षा के संबंध में विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, साथ ही मूल्यांकन किस आधार पर होगा यह भी तय होगा। बता दें कि मंडल के सचिव ने 14 अप्रैल को परीक्षाओं को स्थगित करने के आदेश जारी किए थे। उन्होंने आदेश दिया था कि परीक्षा जून के प्रथम सप्ताह से आरंभ होकर अंतिम सप्ताह तक संपन्न कराई जाएंगी। इस संबंध में विस्तृत संशोधित परीक्षा कार्यक्रम शीघ्र जारी किया जाएगा।

ओपन बुक सिस्टम को लेकर तैयारियां पूरी, स्टूडेंट घर में बैठकर लिखेंगे उत्तर

भोज मुक्त विवि: जून में होंगी यूजी व पीजी की सभी परीक्षाएं, वेबसाइट पर अपलोड होगा पर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोरोना संक्रमण के बीच भोज मुक्त विश्वविद्यालय ने ओपन बुक सिस्टम से जून में आयोजित होने वाली यूजी व पीजी की सभी परीक्षाओं को लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली है। भोज विवि ने यूजी-पीजी की परीक्षाएं जून में कराने का कार्यक्रम जारी कर दिया है। एग्जाम के टाइम टेबल के अनुसार विवि की वेबसाइट पर प्रश्नपत्रों को अपलोड कर दिया जाएगा। यह प्रश्नपत्र स्टूडेंट डाउनलोड करेंगे और घर में आंसरशीट में उत्तर लिखेंगे।

दरअसल, अभी तक यूजी की प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं ओपन बुक पैटर्न पर होना तय था। अब विभाग की ओर से अंतिम वर्ष की परीक्षाएं भी ओपन बुक पैटर्न पर परीक्षा कराने के निर्देश हैं। ऐसे में विभाग से गाइडलाइन मिलने के बाद विवि परीक्षा को लेकर दिशा निर्देश जारी करेगा। विवि के अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आसानी से प्रश्नपत्र आसानी से मिले, इसके लिए प्रश्नपत्रों की हार्ड कॉपी भी सेंटरों में भेज दी गई हैं। बता दें कि उच्च शिक्षा विभाग ने ओपन बुक पैटर्न पर परीक्षा के आदेश दिए हैं।

विवि के 411 अध्ययन केंद्रों पर जमा होंगी कॉपियां

प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में विवि के सभी 411 अध्ययन केंद्रों पर कॉपियां जमा करने के लिए नोडल केंद्र बनाए जाएंगे। इसके बाद क्षेत्रीय केंद्र कॉलेजों से कॉपियों का संग्रहण कर विवि को भेजेंगे। विवि द्वारा जल्द ही यूजी-पीजी परीक्षाओं के कार्यक्रम भी जारी किए जाएंगे। यूजी प्रथम व द्वितीय वर्ष की कॉपियों का मूल्यांकन क्षेत्रीय केंद्रों में ही मूल्यांकन किया जाएगा, लेकिन फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स को अगली संस्थानों में प्रवेश करना होता है, इसलिए फाइनल ईयर की कॉपियों को विवि में जांचने के लिए भेजे जाएंगे। क्षेत्रीय केंद्र कॉपियों के संग्रहण करने का काम करेंगे।

10वीं 12वीं को छोड़कर एक माह तक बंद रहेंगी सभी कक्षाओं की ऑनलाइन कक्षाएं

प्रदेश में लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमण देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने दसवीं, बारहवीं की कक्षाओं को छोड़कर सभी कक्षाओं की ऑनलाइन कक्षाएं 1 महीने के लिए स्थगित कर दी है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने मंगलवार को आदेश जारी किए हैं। जो मप्र बोर्ड से संबंधित सरकारी व निजी, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के स्कूलों पर लागू होगा।

संक्रमित हुए 366 शिक्षकों की मौत, शिक्षक संगठन नाराज

कोविड-19 वायरस का संक्रमण पूरे प्रदेश में तेजी से फैल रहा है। ऐसे में इस स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक-कर्मचारी भी इस संक्रमण से बच नहीं सके है। ऐसे में शिक्षक संगठनों ने नाराजगी जाहिर करते हुए एक सूची सोशल मीडिया पर जारी की है। जिसमें जिलेवार विभाग के कर्मचारियों, शिक्षकों और प्राचार्यों की मृत्यु का आंकड़ा दिया गया है।

लाभान्वित हुए शिक्षकों की सूची जारी करने की मांग

सूची के अनुसार प्रदेश में विभाग के 2 अधिकारी, 19 कर्मचारी, 11 प्राचार्य और 334 शिक्षकों की मृत्यु हुई है। वहीं 23 अधिकारी, 73 कर्मचारी, 80 प्राचार्य और 1633 शिक्षक इलाजरत है। शिक्षक संगठनों ने स्कूल शिक्षा विभाग से सभी शिक्षकों को कोरोना योद्धा योजना का लाभ देने और अब तक लाभान्वित हुए शिक्षकों की सूची जारी करने की मांग की है। हालांकि हरिभूमि इस सूची की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

सुरक्षित उपाय • कोरोना संक्रमण से बचाने में मददगार साबित हो रहे मास्क, इसलिए इन्हें लगाना है जरूरी

कपड़े के मास्क पहनें, जिसके बीच में हो सिल्क की पर्त

भास्कर संवाददाता | शिवपुरी

शहर में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी, रेमडेसिविर इंजेक्शन की किल्लत और आईसीयू भरे होने से यह संकट और गहरा गया है। ऐसे में मास्क कोरोना संक्रमण से बचने का एक कारगर उपाय है। सही ढंग से मास्क लगाना अब और भी जरूरी हो गया है। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर रितेश यादव का कहना है कि मास्क के बीच सिल्क की लेयर होगी तो यह लोगों को एक हद तक संक्रमण से बचा सकते हैं। सिल्क लेयर वाले मास्क को धोकर पांच- सात बार उपयोग कर सकते हैं।

1. **फैब्रिक कपड़े के मास्कः** इस मास्क को हर बार लगाने के बाद धोएं जरूर। सार्वजनिक स्थानों पर इसके इस्तेमाल से यह आपको कोरोना से एक हद तक बचा सकता है। लेकिन इसे लगाने के बावजूद संक्रमण का खतरा बना रहेगा। कपड़े के मास्क पहनना है, तो मोटे कॉटन का मास्क पहनें। मास्क के बीच सिल्क की परत जरूर होना चाहिए। क्योंकि सिल्क चार्ज्ड माइक्रो फाइबर की तरह होती है।

• क्या इन्हें धोया जा सकता है- सिल्क लेयर वाले मास्क को सात-आठ बार धोकर इस्तेमाल किया जा सकता है।

2. **सर्जिकल मास्कः** ये मास्क आसानी से मार्केट में उपलब्ध हैं। इन्हें कोई आसानी से इस्तेमाल कर सकता है। ये नीले या हरे रंग के हैं। नॉन वूलन मास्क ही सही सर्जिकल मास्क होते हैं। लेकिन हाई रिस्क वाली जगह में इस मास्क के इस्तेमाल के बावजूद इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। इन्हें धोकर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। एक बार इस्तेमाल कर डिस्पोज करें।

3. **एन 95 मास्कः** यह मास्क खासतौर पर उन लोगों को इस्तेमाल करना चाहिए जो कोविड.19 पेशेंट्स के आसपास होते हैं। यह मास्क आपको वायरस से 95 प्रतिशत सुरक्षा देता है। इस प्रकार के मास्क बच्चों या बुजुर्गों को नहीं पहनने चाहिए, क्योंकि उन्हें इस मास्क से सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। आईएसआई या एनआईओएसएच सर्टिफाइड मास्क ही खरीदें। इसमें चार्ज्ड माइक्रो फाइबर लेयर होती है। इसे धोकर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

इन बातों का रखें ध्यान

- मास्क में नोज वायर हो जिससे आप मास्क को पूरी तरह फिट कर सकें और कहीं से ड्रॉपलेट्स पास न हों।
- मास्क आपके दोनों गालों से चिपका होना चाहिए जिससे हवा या बैक्टीरिया न गुजर सके।
- मास्क बिनाइल या किसी ऐसे कपड़े का न हो जिसमें सांस लेते ना बने।
- एग्जेलेशन वाल्व वाले मास्क न चुनें जिनसे पार्टिकल्स आर-पार जाने का खतरा हो।
- दुपट्टे या स्कार्फ को मास्क की तरह इस्तेमाल ना करें। फैब्रिक के मास्क में भी दो या उससे ज्यादा लेयर हों तो बेहतर।

भास्कर नॉलेज सीरीज ब्लड प्रेशर में मामूली बदलाव से घबराएं नहीं, कई बार शरीर की दूसरी दिक्कतों से बढ़ता-घटता है प्रेशर

6 मिनट में आधा किमी चलें या दौड़ें, अगले 30 सेकंड में पल्स 80 के नीचे तो आप स्वस्थ हैं

कोरोनाकाल में हेल्थ मॉनिटरिंग उपकरणों की खरीद कई गुना बढ़ी है

कोरोना ने हर व्यक्ति को सेहत के प्रति सजग बना दिया है। हर कोई ये जानना चाहता है कि वह पूरी तरह स्वस्थ है या नहीं। बीपी, शुगर जांचने के उपकरणों की खरीद भी बढ़ गई है। मगर हमारे इन हेल्थ पैरामीटर्स पर भ्रांतियां भी खूब हैं। कितना बीपी सामान्य है और कितने पर हमें परेशान होने की जरूरत है। हमारे स्वस्थ होने का पैमाना क्या है। ऐसे ही सवालों पर दैनिक भास्कर के **पवन कुमार** ने हार्ट केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष **डॉ. के.के. अग्रवाल** से बात की। जानिए उनकी राय...

अपने डॉक्टर से संपर्क में रहें, जो दवा ले रहे हैं उसे नियमित तौर पर लेते रहें... लगातार असामान्य ब्लड प्रेशर रहे तो डॉक्टर की सलाह लें

• महामारी के इस दौर में सामान्य व्यक्ति को अपने किन हेल्थ पैरामीटर्स की मॉनिटरिंग करनी चाहिए?

सकारात्मक सोच के साथ-साथ अपनी पुरानी बीमारी को नियंत्रित में रखने के लिए अपने डॉक्टर से संपर्क में रहें, जो दवा ले रहे हैं उसे नियमित तौर पर लेते रहें। ब्लड प्रेशर और मधुमेह को हर हाल में नियंत्रित रखें। सामान्य व्यक्ति के लिए आदर्श पल्स रेट 72 होती है। मगर रोज की गतिविधियों में यह 65 से 100 के बीच चढ़ती-उतरती रहती है। यदि आप छह मिनट में 1700 फीट यानी आधा किलोमीटर चल या दौड़ लेते हैं और इसके बाद आपकी पल्स रेट अगले आधे मिनट में 80 से नीचे आ जाती है आप यह मान सकते हैं कि शरीर के मुख्य हेल्थ पैरामीटर्स यानी ब्लड प्रेशर, शुगर या ऑक्सीजन सैचुरेशन लेवल्स ठीक हैं। आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है।

• सामान्य परिस्थितियों में किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर कितना होना चाहिए? क्या यह महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग है?

सामान्य परिस्थिति में ब्लड प्रेशर 120/80 होना चाहिए। दिल हर धड़कन के साथ शरीर में रक्त का प्रवाह करने वाली नसों पर एक दबाव बनाता है। इसे ही हम ब्लड प्रेशर कहते हैं। नसों से रक्त गुजरते वक्त जो प्रेशर होता है उसे सिस्टोलिक प्रेशर कहते हैं, जो सामान्य रूप से 120 होता है। रक्त गुजरने के तुरंत बाद का दबाव डायस्टोलिक प्रेशर कहलाता है, जो सामान्यतः 80 होता है। महिला और पुरुष में इसमें कोई खास अंतर नहीं होता है।

• ब्लड प्रेशर फिक्स सीमा के बाद हाई या लो की श्रेणी में माना जाएगा?

यदि ब्लड प्रेशर सामान्य यानि 120/80 से ज्यादा

> आप दिनभर में तीन से चार बार ब्लड प्रेशर मापें और इसका चार्ट बना लें। यदि ब्लड प्रेशर हर बार एक ही रीडिंग के आस-पास आए और आपको शारीरिक तौर पर अन्य कोई दिक्कत न महसूस हो रही हो तो स्थिति सामान्य है।

140/90 हो जाए तो 100/70 हो जाए तो यह असामान्य ब्लड प्रेशर माना जाएगा। हालांकि कई कारणों से सामान्य ब्लड प्रेशर ही 120/80 से कुछ कम या कुछ ज्यादा हो सकता है। अतः प्रेशर में मामूली अंतर से परेशान होने की जरूरत नहीं है।

• यदि कोई व्यक्ति कोरोनाकाल में ही ब्लड प्रेशर मापने के प्रति सजग हुआ हो और प्रेशर 120/80 से कम या ज्यादा आए तो क्या करना चाहिए?

यदि आपने ब्लड प्रेशर की नियमित मॉनिटरिंग नहीं की है तो आप नहीं जान सकते कि आपके शरीर के लिए सामान्य ब्लड प्रेशर कितना है। ऐसे में सिर्फ एक बार प्रेशर मापकर आप किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते। इसका सरल तरीका है कि आप दिनभर में तीन से चार बार ब्लड प्रेशर मापें और इसका चार्ट बना लें। यदि ब्लड प्रेशर हर बार एक ही रीडिंग के आस-पास आए और आपको अन्य कोई दिक्कत न महसूस हो रही हो तो स्थिति सामान्य है। लेकिन यदि रीडिंग में दिन भर में काफी बदलाव आए या असामान्य ब्लड प्रेशर के साथ आपको अन्य दिक्कतें भी महसूस हों तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

• असामान्य ब्लड प्रेशर से तत्काल क्या खतरे हैं? क्या किसी बीमारी या अटैक की शुरुआत है?

लगातार असामान्य ब्लड प्रेशर रहे तो डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर है। अचानक ब्लड प्रेशर बहुत ज्यादा बढ़ने या घटने से शरीर कोलैप्स कर सकता है। ऊपरी बीपी 200 और नीचे का यदि 120 हो जाए तो नाक से ब्लीडिंग हो सकती है ब्रेन हैमरेज हो सकता है। बीपी बढ़ने दिल की धड़कन बढ़ जाएगी। कई बार दिल की धड़कन बढ़ने से बीपी तेज हो जाता है।

ऑक्सीजन का स्तर 93 के नीचे हो तो सपोर्ट दें, पेट के बल लिटाना अच्छा

शेष भाग | 12 पर

राजनाथ ने दी मंजूरी

पॉलीक्लिनिक्स में अतिरिक्त संविदा कर्मियों की होगी भर्ती

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कोरोना की दूसरी लहर के खतरे के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के इलाज के लिए एक बड़ा महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिसमें उन्होंने देश में मौजूद 51 भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना पॉलीक्लिनिक्स में अतिरिक्त संविदा कर्मचारियों की अस्थायी भर्ती को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस निर्णय से कोरोनाकाल में पूर्व सैनिकों और उनके परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य की देखभाल में काफी मदद मिल सकती है।

भोपाल भी इसमें शामिल

मंत्रालय का यह भी कहना है कि रक्षा मंत्री के फैसले के तहत आने वाले 51 ईसीएचएस में दिल्ली छावनी (बीएचडीसी), नई दिल्ली (लोधी रोड़), अंबाला, गुरुग्राम, गुरुग्राम (सोहना रोड़), चंड़ीमंदिर, गजियाबाद (हिंडन), भोपाल, लखनऊ, चंडीगढ़, अमृतसर, कानपुर, जालंधर, जयपुर, पालमपुर, गुरदासपुर, पठानकोट, हाशियारपुर, मोहाली, इलाहबाद, जम्मू, देहरादून, मेरठ, ग्रेटर नोएडा, बेंगलुरु (अर्बन), कोलकाता आदि शामिल हैं।

शहीद कोरोना योद्धा के परिजन को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि पुलिस के जवानों और परिजनों का अधिक से अधिक वैक्सीनेशन कराया जाना सुनिश्चित करें। इसके लिए वैक्सीनेशन शिविर लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि कोरोना की इस जंग में शहीद होने वाले कोरोना योद्धाओं के परिजन को अनुकम्पा नियुक्ति दी जाएगी। परिजनों को 50 लाख रुपए की अनुग्रह राशि भी दी जाएगी।

वहीं पुलिस के सेंट्रल वेलफेयर फण्ड से एक लाख रुपए की सहायता राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। डॉ. मिश्रा पुलिस कंट्रोल रूम इंदौर में कोविड-19 के संबंध में पुलिस अफसरों के साथ समीक्षा कर रहे थे।

गृह मंत्री बोले- पुलिस और परिजनों के लिए लगाए वैक्सीनेशन शिविर

50 लाख की राशि देंगे

डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फील्ड में कार्य कर रहे जवानों के कोरोना संक्रमित होने पर अस्पतालों से समन्वय कर उन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमें हर हाल में कोरोना से जंग को जीतना है। डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि यदि किसी को भी किसी भी प्रकार की दिक्कत है, तो उन्हें तत्काल अवगत कराया जाना सुनिश्चित करें, ताकि आवश्यक प्रबंध कर समस्याओं का निराकरण किया जा सके। बैठक में जल-संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर उपस्थित रहे।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने शुरू किया पुलिस कोविड केयर सेंटर

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने इंदौर में पुलिस डीआरपी लाइन में पुलिस कर्मियों के लिए 50 बेड की क्षमता वाले कोविड केयर सेंटर की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 742 पुलिसकर्मी कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया प्रदेश के 08 जिलों में संक्रमण की दर में कमी दर्ज की गई है. वहीं 36 जिले ऐसे हैं, जिनमें संक्रमण की दर स्थिर होने की स्थिति में आ गई है। ऑक्सीजन उत्पादन के लिए स्वीकृत 08 प्लांटों में से 07 प्लांट पूर्ण हो गए हैं, जिनमें से 06 में उत्पादन भी प्रारंभ हो गया है।

ओपन बुक सिस्टम को लेकर तैयारियां पूरी, स्टूडेंट घर में बैठकर लिखेंगे उत्तर

भोज मुक्त विवि: जून में होंगी यूजी व पीजी की सभी परीक्षाएं, वेबसाइट पर अपलोड होगा पर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोरोना संक्रमण के बीच भोज मुक्त विश्वविद्यालय ने ओपन बुक सिस्टम से जून में आयोजित होने वाली यूजी व पीजी की सभी परीक्षाओं को लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली है। भोज विवि ने यूजी-पीजी की परीक्षाएं जून में कराने का कार्यक्रम जारी कर दिया है। एग्जाम के टाइम टेबल के अनुसार विवि की वेबसाइट पर प्रश्नपत्रों को अपलोड कर दिया जाएगा। वह प्रश्नपत्र स्टूडेंट डाउनलोड करेंगे और घर में आंसरशीट में उत्तर लिखेंगे।

दरअसल, अभी तक यूजी की प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं ओपन बुक पैटर्न पर होना तय था। अब विभाग की ओर से अंतिम वर्ष की परीक्षाएं भी ओपन बुक पैटर्न पर परीक्षा कराने के निर्देश हैं। ऐसे में विभाग से गाइडलाइन मिलने के बाद विवि परीक्षा को लेकर दिशा निर्देश जारी करेगा। विवि के अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आसानी से प्रश्नपत्र आसानी से मिले, इसके लिए प्रश्नपत्रों की हार्ड कॉपी भी सेंटरों में भेज दी गई हैं। बता दें कि उच्च शिक्षा विभाग ने ओपन बुक पैटर्न पर परीक्षा के आदेश दिए हैं।

विवि के 411 अध्ययन केंद्रों पर जमा होंगी कॉपियां

प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में विवि के बने 411 अध्ययन केंद्रों पर कॉपियां जमा करने के लिए कलेक्शन केंद्र बनाए जाएंगे। इसके बाद क्षेत्रीय केंद्र कॉलेजों से कॉपियों का संग्रहण कर विवि को भेजेंगे। विवि द्वारा जल्द ही यूजी-पीजी परीक्षाओं के कार्यक्रम भी जारी किए जाएंगे। यूजी प्रथम व द्वितीय वर्ष की कॉपियों का मूल्यांकन क्षेत्रीय केंद्रों में ही मूल्यांकन किया जाएगा, लेकिन फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स को अलग संस्थानों में उपस्थित करना होता है, इसलिए फाइनल ईयर की कॉपियों को विवि में जांचने के लिए भेजे जाएंगे। क्षेत्रीय केंद्र कॉपियों के संग्रहण करने का काम करेंगे।

10वीं 12वीं को छोड़कर एक माह तक बंद रहेंगी सभी कक्षाओं की ऑनलाइन कक्षाएं

प्रदेश में लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमण देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने दसवीं-बारहवीं की कक्षाओं को छोड़कर सभी कक्षाओं की ऑनलाइन कक्षाएं 1 महीने के लिए स्थगित कर दी हैं। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने संचालक को आदेश जारी किए हैं। जो नए बोर्ड से संबंधित सरकारी व निजी, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के स्कूलों पर लागू होगा।

संक्रमित हुए 366 शिक्षकों की मौत, शिक्षक संगठन नाराज

कोविड-19 वायरस का संक्रमण पूरे प्रदेश में तेजी से फैल रहा है। ऐसे में इस स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक-कर्मचारी भी इस संक्रमण से बच नहीं सके हैं। ऐसे में शिक्षक संगठनों ने नाराजगी जाहिर करते हुए एक सूची सोशल मीडिया पर जारी की है। जिसमें जिलेवार विभाग के कर्मचारियों, शिक्षकों और प्राचार्यों की मृत्यु का आंकड़ा दिया गया है।

लाभान्वित हुए शिक्षकों की सूची जारी करने की मांग

सूची के अनुसार प्रदेश में विभाग के 2 अधिकारी, 19 कर्मचारी, 11 प्राचार्य और 354 शिक्षकों की मृत्यु हुई है। वहीं 23 अधिकारी, 73 कर्मचारी, 80 प्राचार्य और 1633 शिक्षक इलजरत हैं। शिक्षक संगठनों ने स्कूल शिक्षा विभाग से सभी शिक्षकों को कोरोना योद्धा योजना का लाभ देने और अब तक लाभान्वित हुए शिक्षकों की सूची जारी करने की मांग की है। हालांकि हरिभूमि इस सूची की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

नियमित, पूरक व भूतपूर्व छात्रों को करना होगा आवेदन

स्नातक प्रथम वर्ष के परीक्षा के फार्म भरने की तिथि घोषित

स्टार समाचार | रीवा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातक के नियमित, पूरक एवं भूतपूर्व छात्र-छात्राओं के लिए वार्षिक पद्धति के आधार पर परीक्षा के अंतर्गत वेब पोर्टल के माध्यम से आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की तिथि में आंशिक संशोधन कर दिया गया है। अब संबंधित परीक्षार्थी 5 मई तक निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन कर सकेंगे।

यहां गौरतलब बात यह है कि न केवल रीवा बल्कि समूचे प्रदेश में कोरोना महामारी के बीच लॉक डाउन व कोरोना कर्फ्यू चल रहा है ऐसी स्थिति में ऑनलाइन संस्थान भी

बंद है। लिहाजा वार्षिक परीक्षा के आवेदन को लेकर छात्र-छात्राओं में असमंजस बना हुआ था। इस संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा निर्णय लेते हुए इसी अवधि को 6 अप्रैल से बढ़ाकर 5 मई तक निर्धारित कर दिया गया है।

ये होंगे पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार वार्षिक पद्धति परीक्षा 2020-21 के तहत स्नातक के समस्त बीए, बीएससी, बीकाम, बीएचएससी, बीबीए, बीएसडब्ल्यू, बीकाम आनर्स, बीलिब साइंस, बीएलबीडी, डीएड के पाठ्यक्रम में स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया है। जिसमें नियमित के अलावा पूरक व भूतपूर्व छात्र हिस्सा ले सकेंगे।

आवेदन तिथि व शुल्क

विश्वविद्यालय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत वार्षिक पद्धति के स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा के आवेदन व उसके शुल्क के संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसकी जानकारी विश्वविद्यालय के वेब पोर्टल से लेते हुए इसी पोर्टल के माध्यम से आवेदन पत्र जमा करने होंगे। जिसमें पूर्व निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन की तिथि 5 मई रखी गई है। जबकि 6 मई से 10 मई तक 350 रुपए के विलम्ब शुल्क के साथ परीक्षा आवेदन फार्म स्वीकार किए जाएंगे।

विशेष विलंब शुल्क 3 हजार

परीक्षा को लेकर जहां विलंब शुल्क की तिथि 10 मई रखी गई है तो वहीं दूसरी तरफ विशेष विलम्ब शुल्क 3 हजार रुपए रखा गया है। जिसके तहत अभ्यर्थी 11 मई से परीक्षा शुरू होने के तीन दिन पहले तक संबंधित विषय पर परीक्षा के लिए आवेदन पत्र भर सकते हैं।

बीयू के स्टूडेंट आईआईएफएम में कर सकेंगे रिसर्च, दोनों के बीच एमओयू

भोपाल। बरकतउल्ला विवि द्वारा आत्मनिर्भर मप्र कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को बीयू और इंडियन इंस्टीट्यूट आफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट (आईआईएफएम) के बीच एमओयू साइन किए गए। इसके अंतर्गत दोनों संस्थान आपसी सहयोग से शोध एवं अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगे। इसके माध्यम से बीयू के रिसर्च स्कॉलर्स एवं एमएससी के छात्र लाभान्वित होंगे।

करार

पहल परिवहन आयुक्त ने विभाग के अपर मुख्य सचिव को भेजा प्रस्ताव

कोरोना योद्धा घोषित हों परिवहन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी

प्रादेशिक संवाददाता ■ भोपाल

प्रवर्तन अमले के वाहनों पर बहुरंगी बत्ती का प्रस्ताव

अप्रैल-मई में राशन का भुगतान किया तो जुलाई-अगस्त में निशुल्क

भोपाल (ब्यूरो)। कोरोना संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए प्रदेश के 1.11 करोड़ परिवारों को सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत तीन माह का राशन निशुल्क देगी। यदि किसी ने अप्रैल-मई का राशन एक रुपये किलोग्राम के हिसाब से राशि देकर ले लिया है तो उसे जुलाई-अगस्त में निशुल्क राशन दिया जाएगा। वहीं, प्रवासी श्रमिकों को किसी भी राशन दुकान से वन नेशन-वन राशन कार्ड के तहत खाद्यान्न लेने की छूट रहेगी।

सांची विश्वविद्यालय ने प्रवेश परीक्षा की तिथि 30 तक बढ़ाई

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय से पीएचडी करने के लिए प्रवेश परीक्षा के फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख में चार दिन बढ़ा दी गई है। अब विद्यार्थी 30 अप्रैल तक आवेदन कर पाएंगे।

पूर्व में अंतिम तिथि 26 अप्रैल रखी गई थी और 28 अप्रैल को योग्य उम्मीदवारों की सूची जारी करनी थी, लेकिन अब तीन मई को सूची की जाएगी। अभी तक विवि को 80 आवेदन मिल चुके हैं। इसमें से 12 फीसदी आवेदन दूसरे देशों के हैं। इसमें पांच श्रीलंका, दो म्यानमार और एक-एक आवेदन स्वीडन, वियतनाम और न्यूजीलैंड का है। विवि बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, भारतीय शिक्षा एवं समग्र विकास, योग, भारतीय चित्रकला, हिन्दी, अंग्रेजी और चीनी भाषा में पीएचडी करा रहा है।

सीबीएसई : नई शिक्षा नीति के तहत किया गया बदलाव

9वीं से 12वीं तक का एग्जाम पैटर्न बदला छात्रों की सोचने की क्षमता परखेंगे

भास्कर न्यूज. इंदौर | केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा सत्र 2021-22 से नौंवी से 12वीं के परीक्षा के पैटर्न में बदलाव कर दिया है। यह बदलाव इसी सत्र से लागू होगा। अब परीक्षा में दसवीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में अब लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 फीसदी कम पूछे जाएंगे। यह बदलाव नई शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखते हुए किया गया है। ये प्रश्न बहुविकल्पीय, केस- आधारित या अन्य किसी रूप में हो सकते हैं। इसका मकसद छात्रों की सोचने की क्षमता को बढ़ाना और बेहतर बनाना है। नए बदलाव के बाद 9वीं और 10वीं बोर्ड में 30% और 12वीं के बोर्ड परीक्षा में 20% क्षमता आधारित प्रश्न रहेंगे। अभी तक क्षमता बेस्ड प्रश्न नहीं पूछे जाते थे।

नए पैटर्न पर जारी होगा सैंपल पेपर : बोर्ड के एकेडेमिक डायरेक्टर डा. जोसफ इमैनुअल के अनुसार बदले हुए नए पैटर्न पर सैंपल पेपर जारी किए जाएंगे। स्कूलों को इसी पैटर्न पर पढ़ाने का भी निर्देश दिया गया है।

9वीं और 10वीं में

- क्षमता बेस्ड प्रश्न 30% रहेंगे। (इसमें मल्टीपल च्वाइस, केस स्टडी, इंटीग्रेटेड प्रकार के प्रश्न रहेगा) • 20% वस्तुनिष्ठ प्रश्न रहेंगे। • लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 60% से घटा कर अब 50% पूछे जाएंगे।

11वीं और 12वीं में

- क्षमता बेस्ड 20% प्रश्न रहेंगे। (इसमें केस स्टडी, मल्टीपल च्वाइस, इंटीग्रेटेड प्रकार के प्रश्न रहेंगे) • 20% वस्तुनिष्ठ प्रश्न रहेंगे। • लघु व दीर्घ उत्तरीय प्रश्न अब 70% से घटा कर 60% कर दिए गए हैं।

आदेश जारी, सजायाफ्ता बंदियों को फिर मिलेगी 60 दिन की आपात पैरोल

भोपाल | भोपाल समेत प्रदेशभर की जेलों में सजा काट रहे बंदियों को एक बार फिर 60 दिन की आपात पैरोल दी जाएगी। इस संबंध में डीजी जेल अरविंद कुमार ने मंगलवार को आदेश जारी कर दिए हैं। आपात पैरोल का लाभ करीब पांच हजार सजायाफ्ता बंदियों को मिलेगा, जिन्होंने अब तक पैरोल शर्तों को पालन किया है। दिनोंदिन कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण ये फैसला लिया गया है। कोरोना की पहली लहर में 26 नवंबर 2020 को बंदी को अधिकतम 300 दिन की छुट्टी की पात्रता दी गई थी। इस दौरान 4960 बंदियों को पैरोल दिया गया, इनमें 4097 बंदी अलग-अलग जेलों में लौट आए हैं। 739 बंदी अभी लौटने बाकी हैं, जबकि 47 की पैरोल के दौरान जान चली गई। 55 ऐसे हैं, जिन्होंने पैरोल अवधि में जेल से बाहर अपराध किया और उन्हें उस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। 22 बंदी पैरोल शर्तों का उल्लंघन कर फरार हो गए हैं।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस • 1153 किमी के सफर में पांच जगह रुकी, वो भी स्टाफ बदलने के लिए

आज मंडीदीप पहुंचेगी 'सांसों' वाली पहली ट्रेन, भोपाल को 31 टन ऑक्सीजन मिलेगी

तैयारी... ट्रेन में 10 से 16 टन के 6 टैंकर, मंडीदीप में दो उतरेंगे, यहीं से अस्पताल भेजेंगे ऑक्सीजन

राहत... 64 टन ऑक्सीजन प्रदेश के 40 हजार गंभीर मरीजों को एक दिन राहत दे सकती है

ऑक्सीजन एक्सप्रेस अब हर दिन बोकारो से टैंकर लाएगी

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | भोपाल

कोविड मरीजों के लिए ऑक्सीजन लेकर आ रही विशेष ट्रेन मध्यप्रदेश में मंगलवार शाम प्रवेश कर गई। यह ट्रेन 6 टैंकरों में 64 टन ऑक्सीजन लेकर आ रही है। इनमें से 31 टन के दो टैंकर भोपाल के मंडीदीप, 3 सागर के मकरोनिया, 1 जबलपुर के भेड़ा घाट में उतारे जाएंगे। यहां से इन्हें स्वास्थ्य विभाग की टीमों को सौंप दिया जाएगा। ये ट्रेन झारखंड के बोकारो से आ रही है। पिछले 24 घंटे से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर यह 1153 किमी का सफर कर मंडीदीप सुबह 8 बजे पहुंचेगी। यहां टैंकर से ऑक्सीजन निकालकर जंबो सिलेंडरों में भरी जाएगी, फिर सिलेंडरों को उन अस्पतालों में बांट दिया जाएगा, जहां कोविड के गंभीर मरीज भर्ती हैं। यह प्रक्रिया हर दिन होगी। एलबीएस अस्पताल के फिजिशियन डॉ. विनय गुप्ता बताते हैं कि अभी ज्यादातर मरीज होम आइसोलेशन में हैं। जो गंभीर मरीज भर्ती हैं, उनमें से किसी को 5 लीटर प्रति मिनट तो किसी को 15 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन लग रही है। यदि इस हिसाब से कैलकुलेट करें तो 64 टन ऑक्सीजन एक दिन में 40 हजार गंभीर मरीजों के काम आ सकती है।

ट्रेन में दो इंजन, ताकि कहीं रुकना न पड़े

ग्रीन कॉरिडोर में भी ट्रेन की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रति घंटे ही रहेगी

यह ट्रेन 1153 किमी के सफर में पांच जगह रुक रही है। यहां लोको पायलट, असिस्टेंट व गार्ड सहित स्टाफ बदलेगा। इसे लाने के लिए ग्रीन जोन बनाया गया है। इसका मतलब है कि रास्ते में अन्य किसी मालगाड़ी को इसके आगे नहीं चलाया जाएगा। फिर भी इसकी औसत रफ्तार 50 से 60 किमी प्रति घंटे रहेगी।

बिजली ग्रिड में आग लग जाए तब भी समय पर पहुंचेगी ट्रेन

इस एक्सप्रेस में दो इंजन हैं। एक इलेक्ट्रिक और दूसरा डीजल। यदि बिजली सप्लाई कभी भी फेल हो जाए या पॉवर ग्रिड जल जाए, तब भी डीजल इंजन से ऑक्सीजन एक्सप्रेस को सही समय पर गंतव्य तक पहुंचाया जा सकेगा। रेलवे ने क्रॉयोजनिक टैंकरों से लिक्विड ऑक्सीजन सप्लाई कर रही है।

गैस त्रासदी : जब मुंबई के स्टाफ ने संभाला था भोपाल स्टेशन

ऑक्सीजन संकट के वक्त जैसे रेलवे अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है, ठीक 37 साल पहले भी ऐसी ही जिम्मेदारी उस पर आ पड़ी थी। बात 1984 में हुई भोपाल गैस त्रासदी की है। तब भोपाल स्टेशन मास्टर हरीश धुर्वे सहित 23 रेलकर्मियों की मौत हो गई थी। पूरा स्टाफ बीमार था, तब मुंबई से रेल स्टाफ बुलाकर स्टेशन की कमान उसे सौंप दी गई थी।

प्रदेश में 13417, भोपाल में 1853 केस

अगले 10 दिन सख्त कर्फ्यू, आठ जिलों में संक्रमण घटा

पॉलिटिकल रिपोर्टर . भोपाल | मप्र में अगले दस दिन तक अब सख्ती से जनता कर्फ्यू लागू होगा। सरकार ने अलग-अगल जिलों में संक्रमण की ताजा स्थितियों को देखते हुए यह फैसला किया है। मंगलवार को कोर कमेटी के सदस्यों, मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक में बताया गया कि आठ जिलों शाजापुर, पन्ना, आगर-मालवा, उमरिया, कटनी, राजगढ़, अनूपपुर और गुना में संक्रमण की दर घटी है। बाकी जिलों में यह स्थिर बनी हुई है। दस जिले ऐसे भी हैं, जहां संक्रमितों की संख्या 50 से भी कम हैं। इनमें दमोह, श्योपुर, हरदा, भिंड, छिंदवाड़ा, खंडवा, मंदसौर, बुरहानपुर, शाजापुर और उमरिया शामिल हैं। बैठक में ऑक्सीजन की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

भोपाल में 2408 लोग ठीक हुए, पहली बार नए केस से ज्यादा स्वस्थ

प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मंगलवार को प्रदेश में 13417 और भोपाल में 1853 नए केस सामने आए, हालांकि यहां 2408 लोग स्वस्थ भी हुए। इस साल पहली बार संक्रमितो की तुलना में ठीक होने वालों की संख्या अधिक रही। इधर, प्रदेश में अब तक कुल 4 लाख 25 हजार 812 लोग ठीक हो चुके हैं। लगातार नए मामलों में बढ़ोतरी होने की वजह से भोपाल में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 13 हजार 587 हो गई है। इसी के साथ प्रदेश में एक्टिव केस 94 हजार 276 हो गए हैं।

अशोका होटल में जजों के लिए कोविड सेंटर बनाने का आदेश दिल्ली सरकार ने वापस लिया

एजेंसी| नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट की नाराजगी के बाद राज्य सरकार ने अपना एक विवादित आदेश वापस ले लिया है। चाणक्यपुरी के एसडीएम की ओर से 25 अप्रैल को आदेश में जारी किया गया था। इसमें कहा था कि हाईकोर्ट के जजों के लिए अशोका होटल के 100 कमरों का विशेष कोरोना सेंटर बनाया जाए। इस पर हाईकोर्ट के जस्टिस विपिन सांघी और रेखा पल्ली ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि हाईकोर्ट ने ऐसा कोई आदेश या निर्देश जारी नहीं किया है। जजों के लिए कोई स्पेशल व्यवस्था करने को नहीं कहा गया है। ऐसे फरमानों से कोर्ट की गरिमा पर असर पड़ता है। इसके बाद मंगलवार देर रात उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया ने आदेश वापस लेने की जानकारी दी।

आज का इतिहास

- 1740 : मराठा शासक पेशवा बाजीराव प्रथम का निधन।
- 1910 : इंग्लैंड में क्लोड ग्राहम व्हाइट नाम के पायलट ने पहली बार रात में विमान उड़ाया।
- 1914 : अमेरिका में वेस्ट वर्जीनिया के एस्सेल्स इलाके में एक कोयला खदान हादसे में 181 लोगों की मौत।
- 1932 : इंसानों के लिए पीत ज्वर का टीका विकसित करने की घोषणा।
- 1935 : रूस की राजधानी मॉस्को में भूमिगत मेट्रो ट्रेन की शुरुआत।
- 1937 : इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन का जन्म।
- 1943 : नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जर्मनी से जापान की अपनी यात्रा के दौरान मेडागास्कर के निकट एक जर्मन पनडुब्बी से जापानी पनडुब्बी में सवार हुए।

आज का इतिहास

1791 हरि सिंह नलवा - महाराजा रणजीत सिंह के सेनाध्यक्ष का जन्म हुआ।

1992 विनायक कृष्ण गोकाक - ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित कन्नड़ भाषा के प्रमुख साहित्यकारों में से एक का निधन हुआ।

1945 इटली के देशभक्त सैनिकों द्वारा तानाशाह मुसोलिनी एवं उनकी पत्नी की गोली मारकर हत्या।

2001 पहला अंतरिक्ष सैलानी टेनिस टीटो अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना।

2008 भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पीएसएलवी-सी9 के साथ 10 सैटेलाइट एक साथ छोड़कर एक नया इतिहास रचा।

2008 मलेशिया में भारतीय मूल के दस सांसदों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।